प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्राकृतिक खेती पर चार–दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ

पन्तनगर। 20 मार्च 2025। विश्वविद्यालय के डा. वाई.एल. नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में प्राकृतिक खेती आधारित का शुभारम्भ आज मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. दीपा विनय द्वारा किया गया। हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पंतनगर को प्राकृतिक खेती का केंद्र का दर्जा दिया है, जिसमें इस चार–दिवसीय प्रशिक्षण में उत्तराखण्ड राज्य के सभी कृषि विज्ञान केंद्र से नामित करीब 24 वैज्ञानिक और 10 किसान मास्टर ट्रेनर के समूह के लिए आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा. सुनीता टी. पाण्डेय, नोडल अधिकारी ने प्रशिक्षण की रुप–रेखा और प्राकृतिक खेती के महत्व की विशेष चर्चा की। इस प्रशिक्षण में प्राकृतिक खेती की विधि, शोध भ्रमण एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा। इस अवसर पर अधिष्ठाता, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय डा. ए.के. गौड़; अधिष्ठाता, कृषि डा. सुभाष चन्द्रा; सहायक निदेशक विस्तार डा. निर्मला भट्ट एवं कार्यवाहक निदेशक अनुसंधान डा. के.पी. सिंह ने अपने–अपने विचार रखे। डा. दीपा विनय ने इस प्रशिक्षण के मूल उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि कृषि वैज्ञानिकों और मास्टर ट्रेनर द्वारा किसानों के बीच एक सन्देश दिया जाना है कि कैसे प्राकृतिक खेती द्वारा कम लागत में अधिक उपज ली जा सकती है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शोध छात्रा सुश्री अंजली व धन्यवाद प्रस्ताव डा. राजीव कुमार, प्राध्यापक, सस्य विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

कृषि वैज्ञानिकों एवं मास्टर ट्रेनर के साथ अधिकारीगण।

निदेशक संचार